P-519

Total Pages : 3 Roll No. .....

BAJY-102

जन्मकुण्डली निर्माण

Bachelor of Arts (BA)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा ग्रह स्पष्ट करने की विधि को प्रतिपादित कीजिए।

2. यदि पुष्य नक्षत्र का घट्यादि भयात मान 45/15 एवं भभोग मान 62/40 है, तो स्पष्ट चन्द्र का साधन करें।

3. यदि पलभा का मान 4/50 है, तो स्वोदयमान का साधन करें।

4. दशम लग्न आनयन विधि को स्पष्ट करें।

5. यदि मघा नक्षत्र की घट्यादि भयात का मान 11/42, भभोग का मान 64/32, तो विंशोत्तरी महादशा का भुक्त काल एवं भोग्य काल का साधन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. इष्टकाल साधन के नियमों का प्रतिपादन कीजिए।

2. भयात एवं भभोग का आनयन कैसे किया जाता है? स्पष्ट करें।

3. अयनांश साधन विधि को लिखिए।

4. नतोन्नत काल साधन की विधि का सोदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

5. चलित चक्र निर्माण विधि को स्पष्ट करें।

6. विंशोत्तरी महादशा में अन्तर्दशा साधन प्रकार को स्वकल्पित उदाहरणों के द्वारा समझाइए।

7. अश्विनी आदि क्रम के दस नक्षत्रों के चरणानुसार जन्माक्षर एवं राशियों को लिखिए।

8. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा गत नक्षत्र एवं जन्म नक्षत्र ज्ञान विधि का निरूपण कीजिए।